

वारु पुं. (तत्.) 1. सेना का ऐसा हाथी जिस पर विजय पताका लहराती है 2. विजय-कुंजर।

वारुण वि. (तत्.) 1. वरुण संबंधी, वरुण का 2. जो वरुण देव को समर्पित हो पुं. जल।

वारुणि पुं. (तत्.) 1. अगस्त्य ऋषि 2. भृगु ऋषि 3. वसिष्ठ ऋषि 4. वरुण वृक्ष।

वारुणी स्त्री. (तत्.) 1. वरुण की पत्नी 2. वरुण की पुत्री 3. पश्चिम दिशा 4. ऐसी मदिरा या शराब जो कदम्ब के फूलों से, ताड़ी और खजूरी आदि से बनती थी 5. शतभिक्षा नक्षत्र 6. एक प्रकार की दूब 7. हथिनी 8. वरुणोपदिष्ट उपनिषद् विद्या 9. एक ऐसा धार्मिक पर्व, जो चैत्र कृष्ण त्रयोदशी को शतभिषा नक्षत्र होने के कारण मनाया जाता है और भक्तगण इसमें गंगा स्नान करते हैं, दानादि देते हैं।

वारेंद्र पुं. (तत्.) गौड़ देश का एक प्राचीन जनपद जहाँ आजकल का राजशाही जिला है।

वाई पुं. (अं.) 1. नगर आदि का प्रशासनिक खंड या क्षेत्र, हलका 2. आश्रित बालक, बालिका 3. अस्पताल का रोगी कक्ष 4. कारागार में बंदी गृह 5. अभिभावक की देख-रेख में रहने वाला छोटी उम्र का बच्चा।

वाईन स्त्री. (अं.) 1. छात्रावास का अधीक्षक 2. अस्पताल का अधीक्षक।

वाईर पुं. (अं.) कपड़ों की अलमारी जिसमें कपड़ों के लिए दराजें आदि हो।

वार्षिक वि. (तत्.) 1. वर्ण अथवा रंग के साथ संबंध रखने वाला 2. वर्णों की संख्या और उन के क्रम पर आधारित छंद, मात्रिक छंद नहीं।

वार्षिम पुं. (तत्.) 1. लिपि चिह्न 2. वर्ण 3. लेखिम 4. हर्ष।

वार्तमानिक वि. (तत्.) वर्तमान-विषयक, वर्तमान से सम्बन्धित, आजकल का, वर्तमान काल का।

वार्ता स्त्री. (तत्.) 1. बातचीत 2. वृत्तान्त, हाल 3. प्रसंग, विषय, मामला 4. आजीविका, पेशा 5. समाचार, खबर 6. जनश्रुति, अफवाह 7. भाषण; ज्ञानवर्धक कथन 8. प्राचीन युग में वैश्य का काम-धंधा जैसे- गो-पालन, कृषि-खेती, महाजनी आदि।

वार्तानुजीवी वि. (तत्.) वैश्यवृत्ति से जीवन-निर्वाह करने वाला; व्यापार या कृषि से जीवन-यापन या जीविका चलाने वाला।

वार्तालाप पुं. (तत्.) 1. बातचीत, कथोपकथन 2. समझौते की बातचीत।

वार्तावह पुं. (तत्.) दूत, संदेश ले जाने वाला।

वार्ताहार पुं. (तत्.) दूत।

वार्तिक पुं. (तत्.) कबूतर के आकार का एक छोटा पक्षी, बटेर, स्वादिष्ट गोश्त के कारण इस का शिकार किया जाता है, वर्तित।

वार्तिक वि. (तत्.) 1. वार्ता-संबंधी 2. समाचार, खबर लाने वाला 3. व्याख्यात्मक पुं. 1. किसी ग्रंथ के दुरुह अर्थों को स्पष्ट करने वाला ग्रंथ या वाक्य 2. व्याख्या करने वाला ग्रंथ।

वार्तिककार वि. (तत्.) वार्तिकों का रचयिता।

वार्धक्य पुं. (तत्.) 1. वृद्धावस्था, बुढ़ापा, बुढ़ापे की कमजोरी, बढ़ती उम्र 2. पुं. सेवा-निवृत्ति की अवस्था 3. वृद्धि, बढ़ती हुई।

वार्निश स्त्री. (अर.) 1. बदोजा 2. रेजिन का एक घोल, जो सतह पर लगाने के बाद सूख जाने पर चमकदार परत बन जाती है 3. एक प्रकार का रोगन।

वार्षिक वि. (तत्.) 1. वर्ष संबंधी, वर्ष का, वर्ष में होने वाला या आने वाला, वार्षिक 2. वर्षा संबंधी, वर्षा का 3. बरसने वाला, बौछार करने वाला 4. अगर की लकड़ी 5. वर्षा संबंधी, वर्षा का, बरसाती 6. वर्षाऋतु-संबंधी 7. वर्षसंबंधी 8. जो प्रतिवर्ष होता है, सालाना 9. एक वर्ष तक चलता रहने वाला 10. प्रतिवर्ष की दर से या हिसाब से पुं. (खगोल.) किसी खगोलीय पिंड की